[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5264 **E** **आपका अनुक्रमांक.....**

Unique Paper Code : 205340

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Name of the Paper : Hindi B
(प्रवेश वर्ष 2011 और इसके बाद)

Semester : III

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8 + 8 = 16)

(क) बाँधो न नाव इस ठाँव, बंधु!
पूछेगा सारा गाँव, बंधु!

यह घाट वही जिस पर हँसकर,
वह कभी नहाती थी धँसकर,
आँखें रह जाती थीं फँसकर,
कँपते थे दोनों पाँव, बंधु!

वह हँसी बहुत कुछ कहती थी,
फिर भी अपने में रहती थी,
सबकी सुनती थी, सहती थी,
देती थी सबमें दाँव, बंधु!

(i) प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(ii) नदी के घाट को देखकर कवि की कौन-सी स्मृतियाँ सजीव होने लगती है ?

(iii) कवि नाव को 'इस ठाँव' न बाँधने की प्रार्थना क्यों करता है ?

(iv) इस कविता की नायिका में कौन-कौन-सी विशेषताएँ हैं ?

(ख) न देवी रही, न वह कड़ाह रहा! अब भी काशी जाता हूँ तो उन गलियों की ओर, घाटों की ओर, बगीचों की ओर, बावड़ियों की ओर ललचाई नज़रों से देखता हूँ। उन लोगों को भी आँखें ढूँढ़ती हैं जिनके साथ ज़िन्दगी के वे सुनहले दिन हँसते-हँसते गुज़ारे थे। अधिक लोग चल बसे, बचे-बचाए इधर-उधर बिखर गए। काशी है, किंतु जैसे हमारी काशी उजड़ गई! यही होता है, यही होता आया है!

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस निबंध से लिया गया है ? इसके लेखक कौन हैं ?

(ii) पुनः काशी लौटने पर लेखक को किसका अभाव टीस देता है ?

(iii) लेखक को वर्तमान की तुलना में अतीत के अनुभव क्यों अच्छे लगते हैं ?

(iv) 'यही होता है, यही होता आया है'-पंक्ति का मर्म स्पष्ट कीजिए।

(ग) "प्रांतीय भाषाओं को अपना पूर्ण विकास करना है तो भाषा के आधार पर प्रांतों का पुनर्गठन आवश्यक है। हिंदुस्तानी राष्ट्रभाषा होगी लेकिन वह प्रांतीय भाषाओं की जगह न लेगी। वह प्रांतों में शिक्षा का माध्यम न होगी- अंग्रज़ी शिक्षा का माध्यम हो, इसका सवाल नहीं है। हिंदुस्तानी का उद्देश्य यह होगा कि वह लोगों को महसूस कराए कि वे भारत के अभिन्न अंग हैं। बाहर के लोग हमें गुजराती, महाराष्ट्री, तमिल आदि कहकर नहीं जानते हैं। उनके लिए हम सब हिंदुस्तानी हैं। इसलिए हमें सभी विघटनकारी प्रवृत्तियों को दृढ़ता से रोकना चाहिए। इस मुख्य बात को ध्यान में रखते हुए हम मानेंगे कि भाषावार प्रांत बनाने से शिक्षा और व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस लेख से अवतरित है और इसके लेखक कौन हैं ?

(ii) प्रस्तुत गद्यांश में प्रकट विचार किस महापुरुष के हैं ?

(iii) इस गद्यांश में राष्ट्रभाषा का स्थान किसे दिया गया है ?

(iv) भाषा के आधार पर प्रांतों के पुनर्गठन से क्या लाभ हैं ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3×3=9)

(क) 'इत्यादि' से कवि का क्या अभिप्राय है ? देश के विकास में 'इत्यादि' का क्या योगदान होता है ?

(ख) 'कॉफी हाउस' के लेखक कौन हैं ? लेखक ने दिल्ली के नवधनाढ्य वर्ग पर किस प्रकार व्यंग्य किया है ?

(ग) 'त्रिपिटक' से क्या अभिप्राय है ? राहुल जी को त्रिपिटकाचार्य की उपाधि किसने दी और क्यों ?

(घ) मुक्त मंडी में हिन्दी पुस्तकों की क्या स्थिति है ? लेखक के अनुसार हिन्दी-लेखकों को मुक्त बाज़ार में अपना स्थान बनाए रखने के लिए क्या करना चाहिए ?

(ङ) शहर में आकर जगदीश बाबू को एकाकीपन का अहसास क्यों होता है ?

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6×3=18)

(क) भाषा के संदर्भ में 'हिन्दी' शब्द के प्रयोग को स्पष्ट कीजिए।

(ख) हिन्दी भाषा के विकास पर प्रकाश डालिए।

(ग) हिन्दी की उपभाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(घ) खड़ी बोली पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (6×3=18)

(क) भाषा और लिपि की आवश्यकता।

(ख) लिपि के विकासक्रम की विभिन्न अवस्थाएँ।

(ग) अक्षरात्मक तथा वर्णात्मक लिपि।

(घ) 'देवनागरी' लिपि की वैज्ञानिकता।

5. काव्य में शब्द-शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रकारों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (6)

अथवा

अभिधा शब्द-शक्ति से क्या अभिप्राय है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

6. (क) "खोलेगें अँधेरे का ताला/एक पाठ पढ़ेंगे, टाट बिछाओ" - इस काव्यांश में आए लाक्षणिक प्रयोग को स्पष्ट कीजिए । (4)

(ख) "कुछ लोगों के नामों का उल्लेख किया गया था जिनके ओहदे थे/बाकी सब इत्यादि थे" - इस काव्यांश में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए । (4)